

उद्धगवला ॥ ७

चखनवला ॥ ७

लारुवला ॥ ७

अंमृगवला ॥ ७

कावहला ॥ ७

हुरुवला ॥ ७

अमृगवला ॥ ७

चलनवला ॥ ७

भागवला ॥ ७

कावहला ॥ ७

१४

50
Jy 18/150



१ भवति ह धनं पूषा रुक्मं
 त्यामक वद किं (६) तुलमिध
 नरुं रुपाष्टिम कर्कोट विरुं
 मीन डरु न च द्यु ॥

१५

॥ समूक धनला राय वाभ रुधन नाधत्त ए
 वचदुमलध दकि (६) रुमंगला ॥ वंद दिम



१ यीगाल पूर्वम ननार्थलारु
 साम शनिस्थल दकि अर्थलारु
 वधगुनपाष्टिम कार्य सिद्धिः
 वविधुका डरु व कार्य सिद्धि ॥

१६



एनपूर्वशानि सामन् ननु
 नृदक्षि (ल) रुवता । नपेक्ष
 हानलुकन डरुन वृधम
 ल ॥ वालविनामगव ॥ ॥

हमी	वृध	अर
या	दक्षी	मीद
वका	विदि	सफ
दक्षी	दिश	मी
दक्षी	वाथ	पुलु
मी	क	मी

एवमुक्तं वृधेऽपि अत्र
 याश्च शिगाहमी यामादिसनु
 सफमा नैमण्या प्रभुभवत् ॥
 वृधोवा न ॥ एव वायवा
 वदक्षमीरुथा डरुन वंकाद
 शी एव वीश नहमीयक ॥ विहृडय ॥ ॥

पुष्प	ह	पुष्प
दली	या	ली
दली	बाह	मूष
ली	दाव	मी
चुड	वथा	सफ
दली	क	सी

१०० पुष्पक ह तीया व जाल
या ३ पुष्पुमी दकि लाड व
अरमां सफ म्यां न सल कथ
चउ थो वा व री व वाय सी
व चउ दली दल म्यां डरु व
विव ०० क्षन्य उका दली कथा ॥ बाह दिना ॥

१८

पुष्प	पु न	ह च
रुधी	धुज	धूम
दिद	पानि	पं य द
मज		हि
स य	प चउ	वा द
खत	रुषु	स्वान

रया ॥ पु दान व मा पुष चउ व
काय ली दितिया दली मी डरु म
जमा रुषु वी हली या उका दली
आ प्रधूम कामा लि वउ थो द
ली न स ए वान ता वा व नी यं वी
उया दली दकि ल सि रु वा व क
षली वउ दली व धि रुष व वान
शी सफ मी पु पुमी वाय य ख व वाम ॥ अमान मा वि

२०

शी सफ मी पु पुमी वाय य ख व वाम ॥ अमान मा वि
॥ १०० पुष्पक ह तीया व जाल ॥

चूलिकर्मो

कृवाष वि

उ उ उ वाल

आ अ

लालीका

म अन ध ध

अभि ह वाल

र आ ध

संवादिवाल

शब्द य ध ह वि

सा वि अन

वाल वृ ह ध

पुन धु क ज ह

धन स न न व ॥

चक्रपानिधान

जाणसिद्धि

मन्त्रमन्त्रा

३२ ध्रुवअनूप्रवा

अन्विअनूप्रम

वापूप्रप्रवा

रुविष्ठावित्र

मूप्रप्रवा

विष्ठावित्र

अन्विवालसा

वालजोसावृ

वृष्टुमा॥

वृष्टु

३३

लग्न३०१२

जाणनिषिद्धि

चक्रपानिधान

गृहानम

३४ विडडडम

डडडवा

अनूप्रवा

अनूप्रवा

विवाल

डडडअन्वि

वाल

निधिअमा

वालवृष्टुमा

अ

वआषा

॥

महप्रवह

कथिकर्म

गनाहमनेव

३४
हृथपूषासा
नात्रउडड
धमूमधम
वात्रआसावृ
न

सामविजून
धमूमधम
अविडउडय
मआधहवात्र
धुआसा

संकाकिवेधती
यतिपापूरुमी
विहिषणीपूर्व
कास

वालकयासय

वीरुनापन

आधान

३५
उड्ड॥अ॥वा॥पा॥
१ २
२ १२
३ १०
४ ११
५ १२

ह॥श्रि॥अ॥उ
उडडवाविजून
मूमसाधम
म॥वालआवृ
रुड

विजूनधम
विवाहमडउ
ध॥पूर्व॥

अग्रिकाय

लंडाकाय

मिलाकाय

३५ न वा अड ३

अम वि क॥

वाल॥ आवृ

६

अ अलि म डवा

वि पू ३ मू पू॥

वाल सा वृ

अ अलि

वाल सा

वृ ॥

अडिकाय

मसनाय

सिंधिकाय

३० ह वि सा अ न

अ वि न ध म

अ वाल वृ सा वृ

ह वि सा अ वि

अ अ पू ध ध म

न वाल सा वृ

मू न म अ न

ड ड ड वाल

आ वृ ६

अमिकाय

1.810

I